Sustainable Development Goals

HIROSHIMA
हिरोशिमा, जापान

COAL MINE
WORKERS, बाल श्रम

क्या है सतत्त विकास ?

विकास का वह स्वरूप जो सभी समुदाय, प्रांत, वर्ग, लिंग, क्षमता, भावी पीढ़ी एवं सभी सजीव के लिए न्यायपूर्ण, सहज एवं संभाव्य हो।

ऐसा विकास जो वर्तमान की आवश्यकताओं को इस तरह पूरा करे कि आने वाली पीढ़ियों की आवश्यकताओं एवं क्षमताओं से कोई समझौता न हो

यह सर्वांगीण विकास की ओर प्रेरित करता है – स्वास्थ्य, शिक्षा, सुरक्षा, सुविधा, स्वच्छता, क्षमता, कौशल, रोजगार व पर्यावरण संरक्षण

साथ ही मानवीय क्षमताओं मे वृद्धि तथा सामाजिक समता स्थापित करना

सतत विकास लक्ष्य

- 80 के दशक तक सिर्फ आर्थिक विकास की बात की जाती है, सन 90 के दशक के बाद सामाजिक एवं आर्थिक विकास के साथ पर्यावरण संतुलन एवं प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण पर भी जोड़ा गया कि हम अपने आने वाली पीढ़ियों के लिए भी संसाधनों को संजो के रख सकें
- इस सम्बन्ध में 25 से 27 सितंबर 2015 को संयुक्त राष्ट्र की बैठक न्यूयार्क में आयोजित की गयी.
- इसी बैठक में 193 देशों ने 17 लक्ष्य तय किये गये थे जिनको 2016 से 2030 की अवधि में प्राप्त करने का निर्णय लिया गया था|
- इस नई नीति को सतत्त विकास लक्ष्य नाम दिया गया जिसमे 17 लक्ष्य , 169 मानक (सह लक्ष्य) निर्धारित किए गए

कोई पीछे न छूट जाए

सतत विकास के 5 आधार

- The main goals focus on the **5 P**s
  - **समाज People**: सामाजिक विकास
  - **संसार Planet**: प्रकृति का संरक्षण
  - **समृद्धि Prosperity**: निरंतर आर्थिक विकास
  - **शांति Peace**: शांति सुनिश्चित करना
  - **साझेदारी Partnership**: सबकी साझेदारी

यह 5 आधार एक दूसरे से जुड़े हुए हैं इसीलिए लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु इन पर समग्रता से कार्य करने की आवश्यकता है

सतत विकास के 17 लक्ष्य

गरीबी के सभी रूपों की पूरे विश्व से समाप्ति

सभी के लिए जल और स्वच्छता के सतत प्रबन्धन की उपलब्धता सुनिश्चित करना

शहरों और मानव बस्तियों को समावेशी, सुरक्षित, उत्कृष्ट और सतत बनाना

सतत विकास के लिए शांतिपूर्ण और समावेशी समुदाय को बढ़ावा देना, सभी स्तरों पर इन्हें प्रभावी और जवाबदेह बनाना ताकि सभी के लिए न्याय सुनिश्चित हो सके

भुखमरी समाप्त करना, खाद्य सुरक्षा और बेहतर पोषण तथा सतत कृषि को बढ़ावा देना।

किफायती, विश्वसनीय सतत और आधुनिक ऊर्जा की उपलब्धता सुनिश्चित करना

सतत स्थायी उत्पादन और उपभोग के स्वरूप को सुनिश्चित करना

सतत विकास के लिए वैश्विक भागीदारी को पुनर्जीवित करने के अतिरिक्त कार्यान्वयन के साधनों को मजबूत बनाना

सभी आयु के लोगों में स्वास्थ्य, सुरक्षा और स्वस्थ जीवन को बढ़ावा

सभी के लिए निरन्तर समावेशी और सतत आर्थिक विकास, पूर्ण और लाभकारी रोजगार तथा बेहतर कार्य को बढ़ावा देना

जलवायु परिवर्तन और उसके प्रभावों से निपटने के लिए तत्काल कार्यवाही करना

समावेशी, न्यायसंगत और गुणवत्तायुक्त शिक्षा सुनिश्चित कर सभी के लिए आजीवन शिक्षा प्राप्ति के अवसरों को बढ़ावा देना

उत्कृष्ट बुनियादी ढांचे, समावेशी और सतत औद्योगीकरण को बढ़ावा एवं नवाचार को प्रोत्साहित करना

स्थायी सतत विकास के लिए महासागरों, समुद्रों और समुद्रीय संसाधनों का संरक्षण और इनका समुचित उपयोग सुनिश्चित करना

लैंगिक समानता प्राप्त करने के साथ ही महिलाओं और बालिकाओं को सशक्त करना

राष्ट्रों के अन्दर और उनके बीच असमानता को कम करना

जलीय जीवों की सुरक्षा, स्थलीय पारिस्थितिकी तंत्रों का संरक्षण तथा पुनरूद्धार और इनके सतत उपयोग को बढ़ावा देना, वनों का सतत तरीके से प्रबन्धन, मरूस्थल–रोधी उपाय, भूमि अवक्रमण को रोकना तथा प्रतिवर्तित करना और जैव विविधता की हानि को रोकना

सतत विकास लक्ष्यों का स्थानीयकरण

विकास को स्थानीय स्तर तक परिलक्षित करना आवश्यक है

इसके लिए 17 लक्ष्यों को MoPR द्वारा 9 विषयों मे श्रेणीबद्ध किया है

unicef
for every child

सशक्त पंचायत सतत् विकास

उत्तर प्रदेश सरकार

सतत विकास लक्ष्यों का स्थानीयकरण

पंचायतों में सतत विकास लक्ष्यों के स्थानीयकरण हेतु 17 लक्ष्यों को समाहित करते हुए 9 विषयगत क्षेत्रों का चिन्हांकन किया गया है

विषय 1 | गरीबी मुक्त और आजीविका उन्नत गाँव

100 प्रतिशत हासिल करें

100% पात्र लाभार्थीयों को **वृद्धावस्था, एवं विधवा पेंशन**

100% स्वयं सहायता समूहों और किसान समूहों को उद्यम योजनाओं से जोड़ना

100% सेवाओं तक पहुँच सिटिजन चार्टर के अनुसार

100% पी.डी.एस. अन्तर्गत **परिवारों का नामांकन**

100% कवरेज **आयुष्मान भारत** के अन्तर्गत

100% आवेदकों को **जॉब कार्ड**

100% किसानों का www.upagriculture.com **पर रजिस्ट्रेशन**

मनरेगा अन्तर्गत सक्रिय जॉबकार्ड धारकों को सतत रोजगार की उपलब्धता

सुनिश्चित करें

- गरीब परिवारों तथा कौशल विकास हेतु इच्छुक व्यक्तियों की पहचान करने संबंधी वार्ड सभा और महिला सभा का आयोजन।
- अकुशल श्रमिकों का पंजीकरण
- सामाजिक सुरक्षा योजना में पात्र व्यक्तियों के नामांकन हेतु शिविर का आयोजन
- जिला कौशल केन्द्र के माध्यम से कौशल मानचित्रण करना तथा प्रशिक्षण कैम्प का आयोजन करना
- आपदा प्रबन्धन पर टास्क फोर्स का गठन तथा ग्राम पंचायत विकास योजना में सम्मिलित की जाने वाली गतिविधियों की पहचान करना
- किसानों की आय तथा उत्पादकता को बढ़ाने हेतु कृषि विज्ञान केन्द्रों (के.वाई.के.) के साथ समन्वय स्थापित करना
- स्वयं सहायता समूहों के साथ आय बढ़ाने हेतु कार्ययोजना विकसित करना

पूर्ण रूप से समाप्त करना

- अनोपचारिक ऋण एवं शोषण समाप्त हो
- नशाखोरी समाप्त हो

समिति / पदाधिकारी

- स्वयं सहायता समूह, समूह सखी
- बैंक सखी
- किसान उत्पादक समूह
- पशु सखी, किसान मित्र

योजनाओं तक पहुंच

- सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रम - जैसे पीडीएस, एसएनपी, एनएमएस, पीएमएमवीवाई, जेएसवाई, मनरेगा, विकलांग पेंशन, विधवा पेंशन

विषय 2 | स्वस्थ्य गाँव

100 प्रतिशत हासिल करें

सभी गर्भवती महिलाओं का गर्भावस्था के प्रथम तिमाही में **पंजीकरण**।

गर्भवती महिलाओं के लिए **चार ए.एन.सी. जांचें**

संस्थागत प्रसव

बच्चों का **पूर्ण टीकाकरण**

5 वर्ष से कम उम्र के सभी बच्चों की **वज़न वृद्धि निगरानी**

आई.सी.डी.एस. के अंतर्गत सभी बच्चों (6 महीने – 6 वर्ष), गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं तक **पोषाहार की पहुँच**

सभी गर्भवती महिलाओं के **वज़न की निगरानी**

सुनिश्चित करें

- लिंग के आधार पर गर्भपात न हो
- बाल विवाह न हो
- कोई घरेलू हिंसा नहीं
- नियमित वी.एच.एन.डी. का आयोजन और गुणवत्तापूर्ण सेवाएं
- स्कूलों में पौष्टिक मिड डे मील
- आपातकालीन तैयारी (एम्बुलेंस, हेल्पलाइन आदि)
- स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल और अपशिष्ट प्रबंधन
- संचारी रोगों की रोकथाम हेतु उपाय
- पी.एच.सी./सी.एच.सी./स्वास्थ्य एवं आरोग्य केंद्रों में टेलीमेडिसिन सुविधा
- जानवरों के काटने और अन्य दुर्घटनाओं के मामले में आपातकालीन सेवाएं
- विकलांगता की प्रारंभिक पहचान और प्रबंधन

चर्चा करें

- स्वच्छ पेयजल
- अपशिष्ट प्रबंधन
- खुले मे शौच मुक्त गाँव
- मौसमी बीमारीयनों से बचाव
- वी एच एन डी का नियमित आयोजन

निगरानी

- मलेरिया, जलजनित अन्य संचारी रोगों से निपटने के लिए स्वच्छता
- 6 वर्ष तक के बच्चों के विकास (ग्रोथ चार्ट) की निगरानी

विषय 3 | बाल हितैषी गाँव

बच्चे भविष्य के लिए दुनिया के सबसे मूल्यवान संसाधन और सबसे बड़ी आशा हैं

100 प्रतिशत हासिल करें

- **जन्म पंजीकरण** और जन्म प्रमाण पत्र
- **आधार नामांकन**
- **टीकाकरण**
- आंगनवाड़ी / नर्सरी में **नामांकन**
- प्राथमिक विद्यालय में **नामांकन**
- **गर्भावस्था का पंजीकरण** और प्रसव पूर्व एवं पश्चात सभी चेकअप
- **संस्थागत प्रसव**
- **वी.एच.एन.डी. का आयोजन**

सुनिश्चित करें

- जल एवं स्वच्छता सुविधायुक्त आंगनवाड़ी
- बाल सभा का गठन
- बाल संरक्षण दल का गठन
- गुणवत्तापूर्ण पौष्टिक भोजन की उपलब्धता
- सुरक्षित पेयजल एवं हाथ धोने की इकाई
- पोषण वाटिका का निर्माण
- गुणवत्तापूर्ण शिक्षा

पूर्ण रूप से समाप्त करना

- बाल श्रम
- बाल विवाह
- घरेलू हिंसा
- बाल शोषण और तस्करी

समिति / पदाधिकारी

- शिक्षा समिति
- विद्यालय प्रबंध समिति
- वीसीपीसी
- वीएचएनएससी
- आंगनबाडी कार्यकर्ता
- आशा
- बाल सभा का आयोजन

विषय 4 | पर्याप्त जलयुक्त गाँव

सभी के लिए क्रियाशील पाइप पेयजल कनेक्शन वाला गाँव, लक्षित मानकों के अनुसार गुणवत्ता वाले पानी की आपूर्ति, अच्छे जल प्रबंधन और कृषि संबंधी सभी ज़रूरतों के लिए प्रयाप्त पानी की उपलब्धता और जल के पारिस्थितिकी तंत्र का संरक्षण

100 प्रतिशत हासिल करें

समस्त परिवारों तक **पाइप से जलापूर्ति**

सभी घर सोख्ता पिट, किचन गार्डन अथवा अन्य जल प्रबंधन की वैकल्पिक व्यवस्था से युक्त

समस्त संस्थान (आंगनवाड़ी केंद्र, पंचायत भवन, उप–केंद्र, विद्यालय आदि) **स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल हेतु पाइप से जलापूर्ति**

समस्त सार्वजनिक जल स्त्रोतों के लिए **वर्ष में कम से कम दो बार पानी की गुणवत्ता का परीक्षण**

सुनिश्चित करें

- सूक्ष्म सिंचाई की विधियां (ड्रिप/स्प्रिंकलर)
- जी.पी.डी.पी. के अन्तर्गत वाटरशेड प्रबंधन एवं पुनर्वनीकरण (Watershed management and Reforestation) हेतु सामुदायिक श्रम योगदान
- लीक/टूटे हुए नल/जलापूर्ति पाइप/पानी की टंकी आदि की त्वरित मरम्मत/प्रतिस्थापन
- जल स्रोतों/केन्द्रों के आस–पास के समस्त ड्रेनेज सिस्टम की सफाई

निगरानी एवं नियोजन

- जल निकायों के संरक्षण की सामुदायिक निगरानी।
- जल वितरण नेटवर्क व्यवस्था एवं संचालन
- भूजल श्रोतो/जलभृतों का पुनर्भरण हेतु योजना बनाएं
- अपशिष्ट जल पुनर्चक्रण।
- मृदा की गुणवत्ता एवं नमी संरक्षण हेतु प्रयास

विषय 5 | स्वच्छ एवं हरित गाँव

ऐसे जॉन का विकास करना जो प्राकृतिक हरियाली से परिपूर्ण हो, जहां अक्षय ऊर्जा का उपयोग हो, स्वच्छ एवं सुरक्षित पर्यावरण तथा संतुलित जलवायु हो

100 प्रतिशत हासिल करें

समस्त परिवार के सभी सदस्यों द्वारा **हर समय शौचालयों का उपयोग**

सभी सार्वजनिक संस्थानों (आंगनवाड़ी केंद्र, पंचायत भवन, उप केंद्र एवं विद्यालय) में **शौचालय की उपलब्धता**

सभी परिवारों में **प्रदूषण रहित ईंधन का उपयोग**

वृक्षारोपण अभियान के दौरान **लगाए गए वृक्षों का रख-रखाव**

पंचायत एवं उसके आसपास **सिंगल यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध**

घरों, सार्वजनिक स्थानों और संस्थानों में **कूड़ेदान का उपयोग**

सुनिश्चित करें

- अवैध कटाई/वनों की कटाई पर पूर्णतः प्रतिबंध
- फर्मों एवं कारखानों द्वारा दूषित जल निकास को रोकना
- उच्च ढलान वाले क्षेत्रों, बंजर और अन्य सामान्य भूमि और सड़कों के किनारे प्राकृतिक वनस्पति का रोपण
- सार्वजनिक जैव विविधता रजिस्टर की व्यवस्था
- प्रदूषण रोधी एवं स्वच्छता सेवाओं की व्यवस्था
- कुड़े–कचरे का प्रबंधन

समितियाँ

- पेयजल एवं स्वच्छता समिति
- ग्राम स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण समिति
- जल उपभोगत समूह
- विद्यालय प्रबंधन समिति

विषय 6 | आत्मनिर्भर बुनियादी ढांचे वाला गाँव

सभी की क सभी बुनियादी सेवाओं एवं सुविधाओं तक पहुच सुनिश्चित करना

100 प्रतिशत हासिल करें

समस्त वार्डों/बस्तियों में गुणवत्तायुक्त पक्की सड़कें तथा सोलर स्ट्रीट लाइट का उपयोग

समस्त परिवारों हेतु पाइप से जल व्यवस्था

समस्त स्थानों पर उचित जल निकासी व्यवस्था

सुनिश्चित करें

- ग्राम पंचायत भवन, आंगनवाडी, विद्यालय, उपकेन्द्र/प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों के निर्माण एवं अनुरक्षण जिसमें पृथक शौचालय तथा पेयजल की व्यवस्था हो
- बंद और ढके हुए नालों के निर्माण कर उचित सीवेज सिस्टम
- अनुशंसित चिकित्सीय सुविधाओं (Recommended Clinical facilities) के साथ उप–केंद्र और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (बिस्तर, पर्दे, आदि)
- बस शेल्टर एवं प्रमुख ग्राम/सड़क से कनेक्टिविटी
- ग्राम पंचायत भवन में कम्प्यूटर व इंटरनेट की सुविधा
- ग्राम पांचायत में पंचायत सहायक की उपलब्धता

विषय 7 | सामाजिक रूप से सुरक्षित गाँव

सभी को सामाजिक सुरक्षा प्रणालीयों एवं योजनाओं का लाभ मिलना चाहिए

100 प्रतिशत हासिल करें

आंगनवाड़ी में सभी पात्र बच्चों का नामांकन है।

सभी नामांकित गर्भवती/स्तनपान कराने वाली महिलाओं को आंगनवाड़ी से पोषाहार

सभी बस्तियों में **सुरक्षित पेयजल और स्वच्छता सुविधाएं**

सभी पात्र परिवारों के पास **राशन कार्ड हैं तथा वे पी.डी.एस. से राशन प्राप्त करते हैं**

सभी पात्र लोगों के **पास आयुष्मान भारत कार्ड** की उपलब्धता

सुनिश्चित करें

- प्रवासी श्रमिकों हेतु सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की उपलब्धता, विशेषकर राशन कार्ड
- अति निर्धन गरीब परिवारों की पहचान हेतु ग्राम सभाओं का सुदृढ़ीकरण
- दिव्यांगजनों हेतु बुनियादी ढांचे का विकास एवं आवश्यक सुविधाओं की उपलब्धता
- ग्राम पंचायत विकास योजना में ग्राम पंचायत हेतु आपदा प्रबंधन योजना को शामिल करना
- सभी ग्राम पंचायत स्तर के बुनियादी ढांचे हेतु संचालन और रखरखाव योजना

समितियाँ

- आपदा प्रबंधन टास्क फोर्स
- ग्राम स्वास्थ्य एवं कल्याण समिति
- नियोजन एवं विकास समिति

विषय 8 | सुशासन वाला गाँव

सुशासन ऐसा जो जवाबदेह हो, समावेशी हो,
न्यायपूर्ण हो और पारदर्शी हो

100 प्रतिशत हासिल करें

- **ग्राम पंचायत की मासिक बैठक**
- पंचायत स्तरीय समितियों की **मासिक बैठक**
- **निधियों और गतिविधियों के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदर्शित** करने वाले जन सूचना बोर्ड की स्थापना
- सभी भूमि अभिलेखों को **डिजिटल** रूप से **अद्यतन**
- सिटीजन चार्टर के अनुसार **समयबद्ध सेवा** वितरण
- **ग्राम सभा की नियमित बैठकें** (वर्ष में कम से कम 4)
- बच्चों व महिलाओं के साथ **उनके विकास और अवसरों से संबंधित मुद्दों** पर **विशेष ग्राम सभा** (वर्ष में कम से कम एक बार)

सुनिश्चित करें

- अभिलेखों का रखरखाव
- पंचायत कर्मियों की पंचायत भवन मे नियमित उपस्थिति
- शिकायत निवारण प्रणाली की उपयुक्त व्यवस्था
- बजट एवं कार्योजनाओं की जानकारियों को सामूहिक करना

विषय 9 | महिला हितैषी गाँव

100 प्रतिशत हासिल करें

- **शत-प्रतिशत** बालिकाओं का **जन्म पंजीकरण**
- **100% बालिकाएं हाई स्कूल की शिक्षा पूरी करती हैं**
- **100% विवाह पंजीकरण**
- 100% युवा लड़कियों और महिलाओं के पास **डिजिटल और वित्तीय साक्षरता**
- कृषि पोर्टल में **महिला किसानों का शत-प्रतिशत पंजीकरण**
- **सभी सक्रिय महिला** जोब कार्ड धारकों को **रोजगार**
- **कृषि, निर्माण और सेवा क्षेत्र में महिलाओं** के लिए समान कार्य के लिए समान वेतन

सुनिश्चित करें

- स्कूली बच्चों के लिए साइबर अपराध और मादक द्रव्यों के दुष्प्रभाव पर कार्यक्रम
- स्कूल/कॉलेज जाने वाली लड़कियों के लिए सुरक्षित आवागमन
- जी.पी.डी.पी. में आजीविका के अवसरों को बढ़ाने में एस.एच.जी. की सहायता को सम्मिलित करना
- मानव तस्करी और बाल विवाह को रोकने के उद्देश्य से 18 साल से कम उम्र की सभी लड़कियों का पंजीकरण
- महिलाओं की भागीदारी में सुधार के लिए संस्थानों में क्रेच (शिशु देखभाल) और यौन उत्पीड़न रोकथाम समिति
- पंचायत के सभी 6 वैधानिक समितियों और महिला सभा में नियमित आधार पर महिलाओं की भागीदारी
- परिवार के पुरुष सदस्यों द्वारा पंचायत बैठक में महिला वार्ड सदस्यों के प्रतिनिधित्व पर पूर्णतः रोक

कोई पीछे ना छूटे

महिला हितैषी गाँव
गरीबी मुक्त गाँव
स्वच्छ एवं हरित गाँव
पर्याप्त जल युक्त गाँव
बाल हितैषी गाँव
स्वस्थ गाँव
सब लोग
पर्यावरण
समृद्धि और शांति
गरीबी, भुखमरी को समाप्त करते हुए गरिमा और समानता को सुनिश्चित करना
भावी पीढ़ी के लिए प्राकृतिक संसाधनों और जलवायु की रक्षा करना
समुदाय के साथ तालमेल बिठाते हुए समृद्धि सुनिश्चित करना
सुशासन वाला गाँव
आत्मनिर्भर बुनियादी ढांचे वाला गाँव
सामाजिक रूप से न्याय संगत एवं सुरक्षित गाँव

Monitoring SDGs in Uttar Pradesh

उत्तर प्रदेश में
सतत विकास लक्ष्यों का अनुश्रवन

Goal Indicators Framework

लक्ष्य संकेतांक फ्रेमवर्क

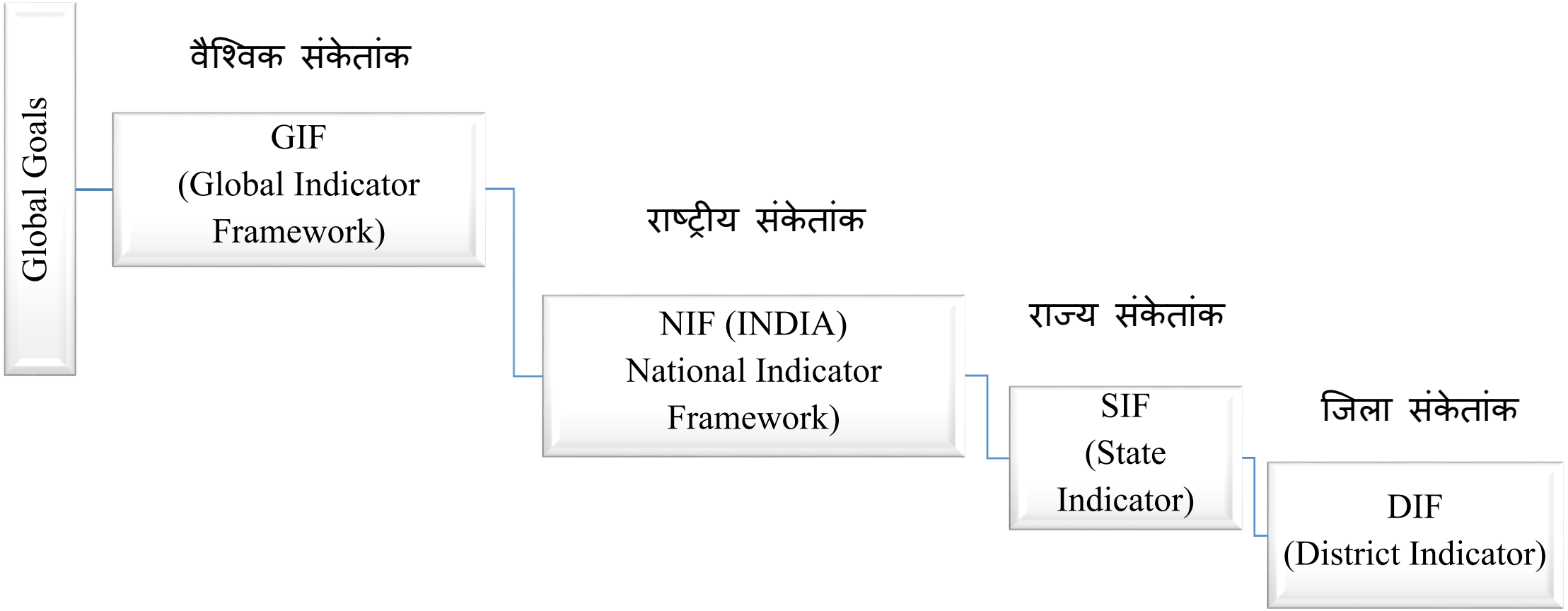

National Indicators Framework
राष्ट्रीय संकेतांक फ्रेमवर्क

Ministry of Statistics and Programme Implementation (MoSPI) is responsible for the development of the National Indicator Framework (NIF) for measuring the progress of the SDGs and associated targets.

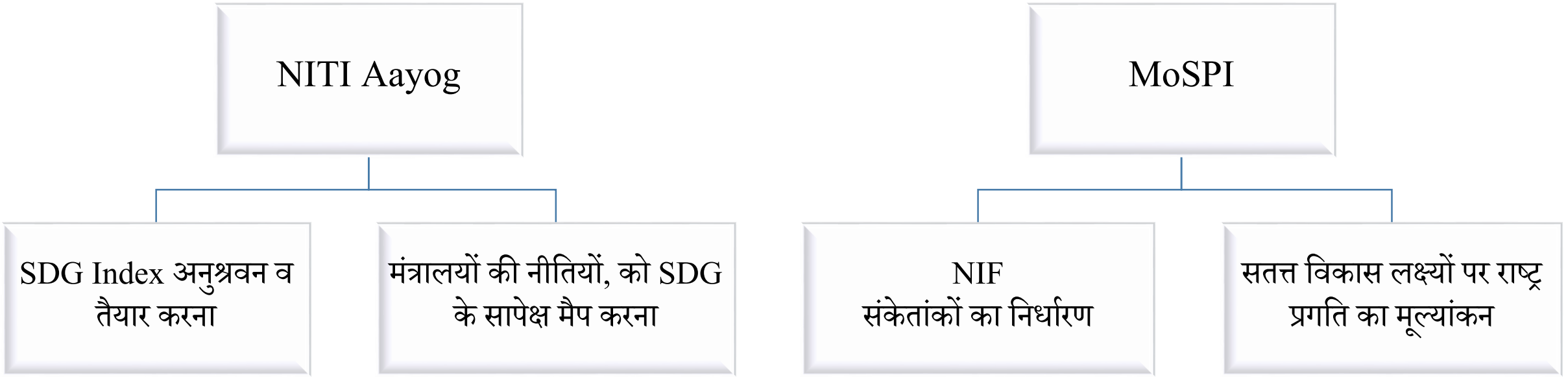

SDGs in Uttar Pradesh - The journey

- Nodal Depts identified
- State Task Force for implementation of SDG in Uttar Pradesh

- Goal and target Vs. Scheme Mapping
- State Vision 2030 document finalized and shared with NITI Aayog

- Three year Action Plan developed

- Working groups formed for each goal
- Baseline Report prepared
- Localization of SDGs - Identified activities that Gram Panchayats can take for achieving SDG targets
- Review of progress by the Chief Minister
- 36 hours Joint Assembly Session on SDGs

- State Indicators Framework (SIF) and District Indicators Framework (DIF) developed
- Monitoring mechanism finalized at state and district level
- Completed capacity building of district teams to monitor SDGs implementation

- UP State SDG Dashboard Developed- UNICEF
- SDG portal for capturing progress through state and district level indicators developed by NIC
- Best Practices Compilation
- Video on localization of SDGs at Panchayat
- SDGs Poster

Key Initiatives to strengthen implementation of SDGs

- SDGs Progress review by the **Hon'ble Chief Minister**
- Established regular review at all levels (State, Division and District) – **task force meetings**
- **Capacity building** of nodal departments as well as district level officials – using online platforms
- **Strong monitoring mechanism** – guidelines issued for constituting monitoring cell at divisional and district level
- SDGs agenda in regional development forums – Bundelkhand Vikas Board and Poorvanchal Vikas Board
- Progress tracking through **SIF and DIF – Portal developed by NIC**
- **Localizing SDGs** – integrating SDGs in GPDP planning
- **Publication** (both Hindi &English) of 43 innovative approaches clubbed Goal wise as well as Sector wise adopted by District in a compendium covering 25 Districts

State Monitoring Framework

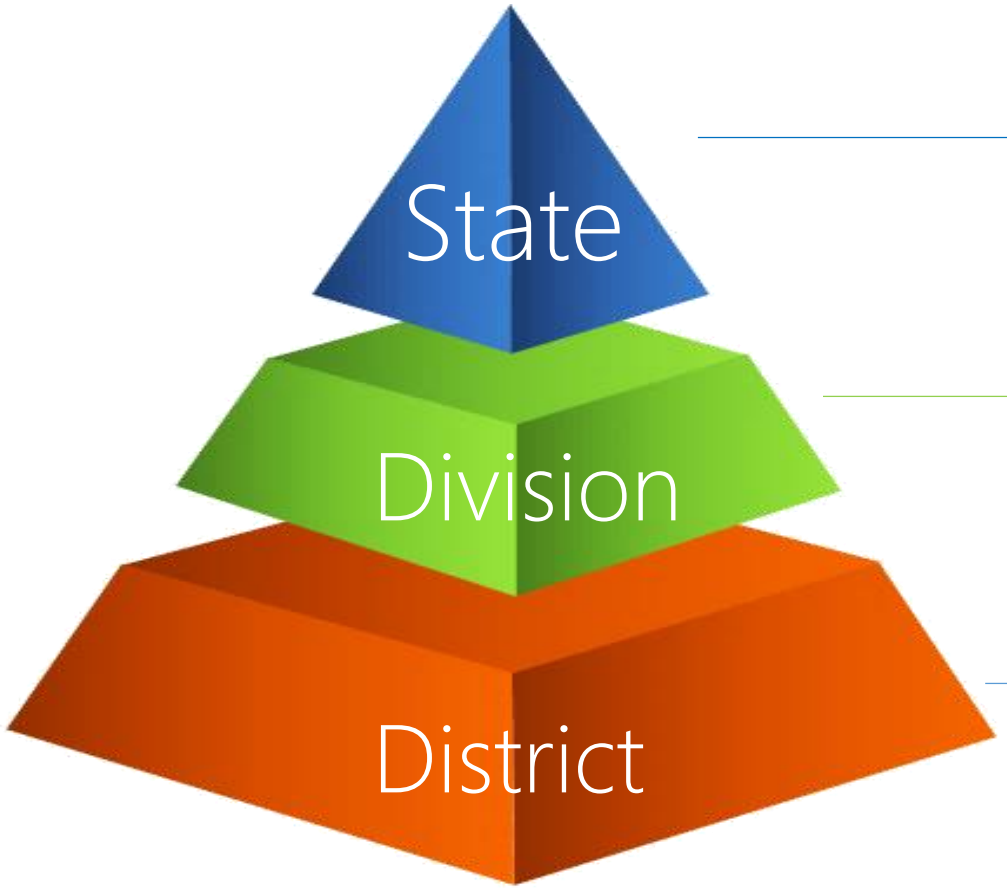

State Level Task Force chaired by the Chief Secretary
Review of progress by Nodal Depts
Provide guidance on NIF alignment, SIF and DIF target setting

Divisional Task Force chaired by the Development Commissioner
Reviews of performance by districts
Capacity building of district SDG Cell

District Task Force chaired by the District Magistrate or CDO
Review of DIF on monthly basis
Supported by DESTO for coordinating with depts
Data feeding on SDGs Portal
Prepare annual progress report on SDGs

State Indicators Framework (SIF) & District Indicators Framework (DIF)

राज्य एवं जिला संकेतांक फ्रेमवर्क

- राज्यस्तरीय योजनाओं, नीतियों एवं गतिविधियों की प्रगति को मानकों के आधार पर अनुश्रवन के लिए तथा समय से इनमें सुधार हेतु आवश्यक कार्यवाही हेतु राज्य एवं जिला संकेतांक फ्रेमवर्क तैयार किए गए हैं।

- यह संकेतांक प्रत्येक लक्ष्य के लिए तैयार किए गए हैं।

SDGs	No of Indicators		Total
	SIF	DIF	
Goal 1	10	26	37
Goal 2	6	4	10
Goal 3	19	14	32
Goal 4	6	43	52
Goal 5	9	19	28
Goal 6	9	8	17
Goal 7	1	2	3
Goal 8	12	2	14
Goal 9	5	0	5
Goal 10	0	4	4
Goal 11	11	6	17
Goal 12	2	0	2
Goal 13	1	1	2
Goal 15	6	1	7
Goal 16	4	16	20
Total	**101**	**146**	**247**

Uttar Pradesh's Composite Score SDG Index

Overall Composite Score: 60, from 55 in 2019

2018-19 Score

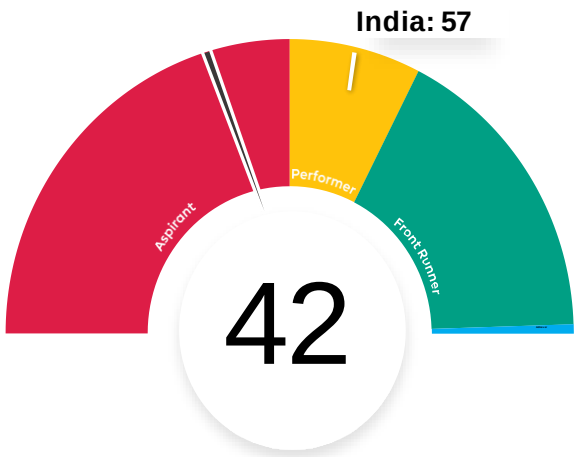

Rank - 29

2019-20 Score

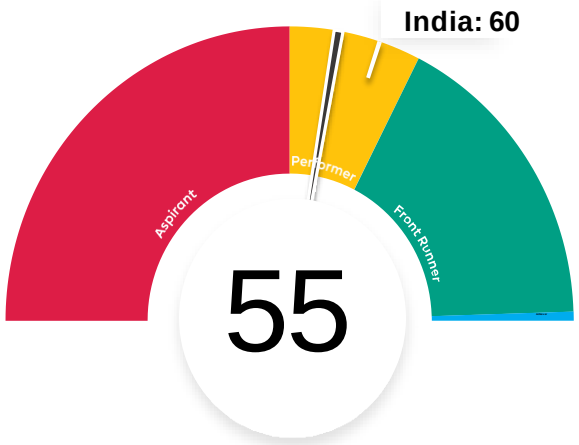

Rank - 23

2020-21 Score

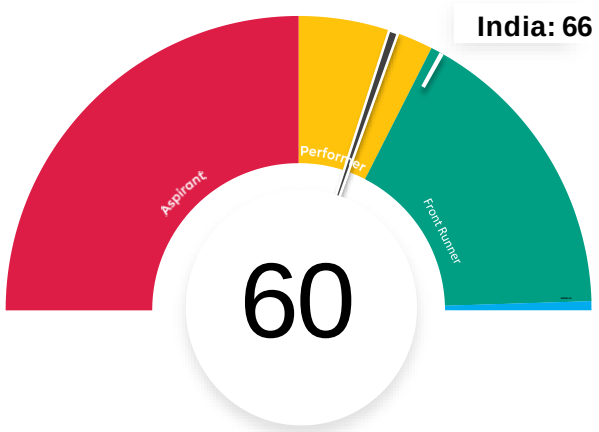

Rank - 22

Achiever (100) | Front Runner (65-99) | Performer (50-64) | Aspirant (0-49)

UP SDG Portal उत्तर प्रदेश SDG पोर्टल

- लक्ष्यों पर प्रगति की जिलेवार रैंक एवं प्राप्तांक दर्शाया जाता है
- NIC द्वारा निर्मित
- प्रत्येक जिले से आंकड़ों को इस पोर्टल के माध्यम से संकलित किया जाता है
- All Nodal Depts provided User ID and Password to update information regularly
- Support tracking of progress at state and district level

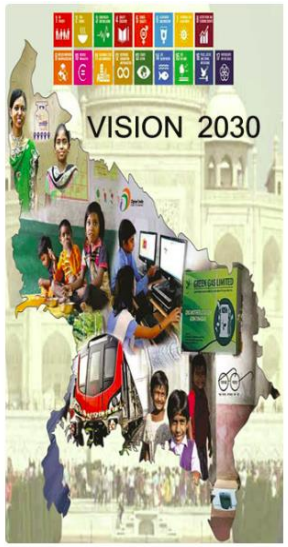

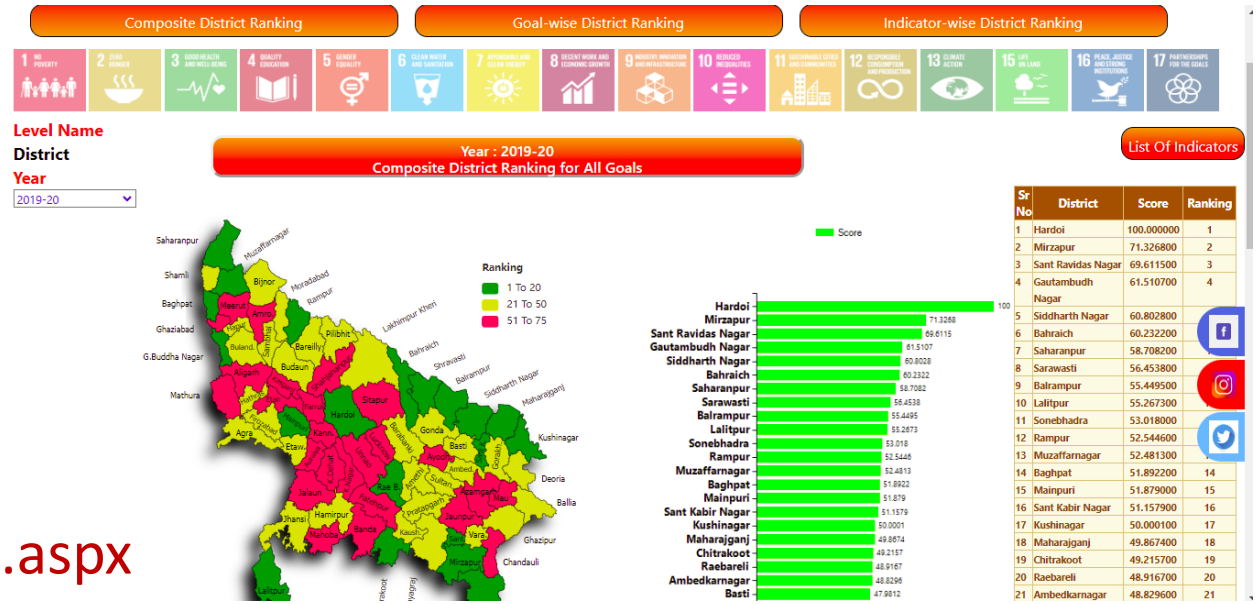

https://epariyojana.up.gov.in/sdg/Dash/Default.aspx